विशेष आवरण / SPECIAL COVER
शीतलपाटी : अपने प्राकृतिक शीतलन गुणों से युक्त हस्तनिर्मित पर्यावरण-हितैषी चटाई।
Sital Pati - Handwoven eco-friendly mat with its natural cooling properties.

শীতলপাটি' নামটি দুটি বাংলা শব্দ থেকে উদ্‌ভূত—'শীতল' (যার অর্থ ঠান্ডা বা স্নিগ্ধ) এবং 'পাটি' (যার অর্থ মাদুর)। এটি একটি ঐতিহ্যবাহী হস্তবুনন মাদুর, যা 'মুর্তা' বা 'পাটিবেত' গাছের সূক্ষ্মভাবে প্রক্রিয়াজাত ফালি দিয়ে তৈরি করা হয়। এর স্বাভাবিক শীতলতা, মসৃণ বুনন এবং উজ্জ্বল আস্তরণের জন্য সুপরিচিত শীতলপাটি হলো একটি পরিবেশ-বান্ধব হস্তশিল্প; এটি এমন এক ঐতিহ্য যা বাংলার সাংস্কৃতিক ঐতিহ্যের সাথে গভীরভাবে সম্পৃক্ত। বিশেষত পশ্চিমবঙ্গের কোচবিহার অঞ্চলে এই শিল্পকলাটি অত্যন্ত সমাদৃত। বংশপরম্পরায় দক্ষ কারিগররা এই বুনন-শিল্পের ঐতিহ্যকে সযত্নে টিকিয়ে রেখেছেন। কেবল মাদুর হিসেবেই নয়, বর্তমানে শীতলপাটি দিয়ে বিভিন্ন সজ্জাসামগ্রী, ব্যাগ, টেবিল রানার এবং জীবনযাত্রার উপযোগী অন্যান্য টেকসই পণ্যও তৈরি করা হচ্ছে; আর এগুলোর সৌন্দর্য, স্থায়িত্ব এবং পরিবেশ-বান্ধবতার কারণে বিশ্বজুড়েই তা বিশেষ স্বীকৃতি লাভ করছে।

शीतलपाटी शब्द बांग्ला के 'शीतल' और 'पाटी' शब्दों से मिलकर बना है जिसका तात्पर्य क्रमशः "ठंडा" और "चटाई" है। यह मुर्ता और पाटीबेट पौधे की बारीक संसाधित पट्टियों से बुनी हुई एक पारंपरिक हस्तनिर्मित चटाई होती है। अपनी प्राकृतिक शीतलता, चिकनी बनावट और चमकीली सतह के लिए विख्यात शीतलपाटी पश्चिम बंगाल के कूचबिहार क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत से गहराई से जुड़ा हुआ एक पर्यावरण-हितैषी हस्तशिल्प है। कुशल बुनकरों ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी बुनाई की इस परंपरा को संजोकर रखा है। चटाई के रूप में प्रयोग किए जाने के अतिरिक्त शीतलपाटी के उत्पादों का उपयोग अब सजावटी सामानों, थैलों, मेजपोशों और जीवनशैली के अन्य धारणीय उत्पादों के रूप में भी किया जा रहा है जो अपने सौन्दर्य, मजबूती एवं पर्यावरण-अनुकूलता के लिए अपनी पहचान बना रहे हैं।

Sitalpati derives its name from the Bengali words *sital* meaning "cool" and *pati* meaning "mat." It is a traditional handwoven mat crafted from finely processed strips of the Murta or Patibet plant. Renowned for its natural cooling effect, smooth texture, and glossy finish, Sitalpati represents an eco-friendly handicraft deeply connected to the cultural heritage of the Cooch Behar region in West Bengal. Skilled artisans have preserved this weaving tradition for generations. Besides being used as mats, Sitalpati products are now also fashioned into decorative items, bags, table runners, and other sustainable lifestyle products, gaining recognition for their beauty, durability, and environmental friendliness.

₹50/-

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल द्वारा जारी Issued by Chief Postmaster General
पश्चिम बंगाल सर्किल West Bengal Circle
भारतीय डाक विभाग Department of Posts, India
Code No - WB/11/2026

/ 2000

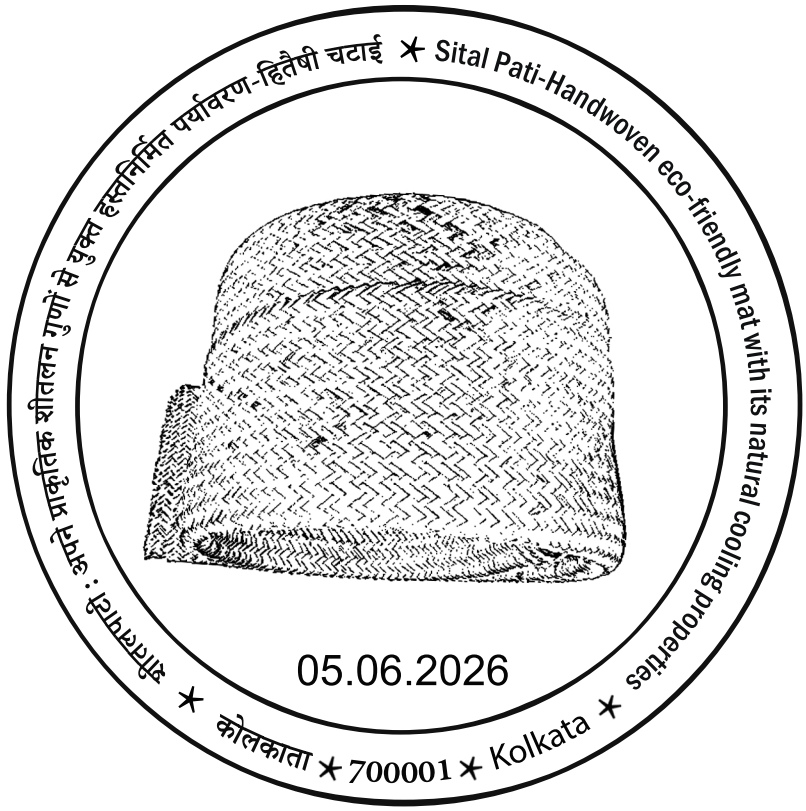
शीतलपाटी : अपने प्राकृतिक शीतलन गुणों से युक्त हस्तनिर्मित पर्यावरण-हितैषी चटाई ✶ Sital Pati-Handwoven eco-friendly mat with its natural cooling properties ✶ शीतलपाटी ✶ कोलकाता ✶ 700001 ✶ Kolkata ✶
05.06.2026